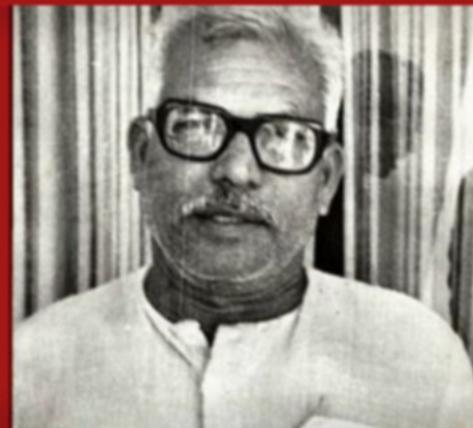




कर्पूषी ठाकुर



● हाल ही में केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया बिहार के पूर्व सीएम कर्पूषी ठाकुर को भारत रव्वा देने की घोषणा की।

जन्म : 24 जनवरी 1924

- लोकप्रिय नाम : जन-नायक
- राजनीतिक दल : सोशलिस्ट पार्टी, भारतीय क्रांति दल, जनता पार्टी, लोकदल
- क्षेत्र :- भारत के स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षक, राजनीतिज्ञ थे।
- **मृद्दिन:** 17 फरवरी 1988
- 1970 और 1977 में दो बार बिहार के मुख्यमंत्री की कुर्सी भी संभाली।
- एक बार डिली CM रहे।
- वे बिहार के पहले गैर कांग्रेसी मुख्यमंत्री थे।
- 1967 में कर्पूषी ठाकुर ने डिली CM बनने पर बिहार में अंग्रेजी की अनिवार्यता को खत्म कर दिया था।
- वह पिछड़े गर्वों के हितों की वकालत करने के लिए जाने जाते थे।



भारत दल



- भारत दल देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है।
- यह सम्मान राजनीति, कला, साहित्य, विज्ञान के क्षेत्र में किसी विचारक, वैज्ञानिक, उद्योगपति, लेखक और समाजसेवी को दिया जाता है।
- भारत दल देने की शुरूआत 2 जनवरी, 1954 को तत्कालीन राष्ट्रपति डॉकर राजेंद्र प्रसाद ने की थी।
- सबसे पहला सम्मान स्वतंत्र भारत के पहले गवर्नर जनरल चक्रवर्ती राजगोपालाचारी, पूर्व राष्ट्रपति डॉकर लर्पल्ली राधाकृष्णन और वैज्ञानिक डॉकर चंद्रशेखर वैकर दमन को 1954 में दिया गया था।
- 1954 में ये सम्मान केवल जीवित दलते दिया जाता था, लेकिन 1955 में मरणोपरांत भी भारत दल दिये जाने का प्रावधान जोड़ा गया।
- 1987 में खान अब्दुल गफ्फार खान (पाकिस्तान) पहले विदेशी थे, जिन्हें भारत दल पुरस्कार मिला।
- सधिन तेंदुलकर भारत दल प्राप्त करने वाले पहले खिलाड़ी बने इसके अलावा उन्हें सबसे कम उम्र (41 वर्ष) में भारत दल मिला।
- 2019 में समाज सेवा के क्षेत्र में जानाजी देशभूख (मरणोपरांत), कला क्षेत्र में डॉकर भूपेन हजारिका (मरणोपरांत) और लोक-कार्य के लिए भारत के पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुख्यर्जी को भारत दल से सम्मानित किया गया था।
- अब तक कुल 48 लोगों को भारत दल सम्मान दिया गया है।



भारत द्वा पुरस्कार विजेताओं की सूची		
प्राप्तकर्ता (राज्य/केंद्र शासित प्रदेश)	वर्ष	मुख्य नोट्स
सी. राजगोपालाचारी/राजाजी (तमिलनाडु)	1954	सी. राजगोपालाचारी/राजाजी भारत के अंतिम गवर्नर जनरल थे। वह स्वतंत्र पार्टी के संस्थापक थे। वह एम्के गांधी के विवेक के रक्षक थे।
मर्वपल्ली राधाकृष्णन (तमिलनाडु)	1954	मर्वपल्ली राधाकृष्णन भारत के पहले उपराष्ट्रपति थे। वह देश के दूसरे राष्ट्रपति बने।
सीधी रमन (तमिलनाडु)	1954	सीधी रमन विज्ञान की किसी भी शाखा में नोबेल पुरस्कार पाने वाले पहले एशियाई वैज्ञानिक बने। वह भीतीकी में रमन स्टैटरिंग जीसी अपनी खोजों के लिए प्रसिद्ध हैं।
भगवान दास (उत्तर प्रदेश)	1955	भगवान दास महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के सह-संस्थापक थे। उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना में भी योगदान दिया।
एम. विनेश्वरैया (कर्नाटक)	1955	15 सितंबर को एम. विनेश्वरैया की जयंती को देश में इंजीनियर दिवस के रूप में मनाया जाता है। वह एक सिविल इंजीनियर थे जिन्होंने देश के बांध विकास में बहुत योगदान दिया।
जवाहरलाल नेहरू (उत्तर प्रदेश)	1955	जवाहरलाल नेहरू भारत के पहले और सबसे लंबे कार्यकाल वाले प्रधान मंत्री (पीएम) बने। वह पुरस्कार मिलने के समय वह पीएम थे।
गोविंद बल्लभ पंत (उत्तराखण्ड)	1957	गोविंद बल्लभ पंत उत्तर प्रदेश राज्य के पहले मुख्यमंत्री चुने गये। वे हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने के प्रबल समर्थक थे।
धोंडो बेश्वर कर्णे (महाराष्ट्र)	1958	धोंडो बेश्वर कर्णे एक महान समाज सुधारक थे और महिला शिक्षा और विद्या पुनर्विवाह के लिए प्रसिद्ध थे। उन्होंने विद्या विवाह संघ की स्थापना की।
विधान चंद्र रौय (पश्चिम बंगाल)	1961	विधान चंद्र रौय को आधुनिक पश्चिम बंगाल के निर्माता के रूप में पहचाना जाता है। 1 जुलाई को उनकी जयंती को देश में राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस के रूप में मनाया जाता है।
पुरुषोत्तम दास टंडन (उत्तर प्रदेश)	1961	पुरुषोत्तम दास टंडन को राजर्षि की उपाधि दी गई थी। वे उत्तर प्रदेश विधान सभा में अध्यक्ष बने। उन्होंने हिंदी भाषा को राजभाषा बनाने का समर्थन किया।
राजेंद्र प्रसाद (बिहार)	1962	राजेंद्र प्रसाद ने भारत के पहले राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। वह महात्मा गांधी जी के साथ असहयोग आंदोलन में सक्रिय रूप से शामिल थे।



जाकिर हुसैन (आंध्र प्रदेश)	1963	जाकिर हुसैन को भारत के दूसरे उपराष्ट्रपति और तीसरे राष्ट्रपति के रूप में चुना गया। वह अलीगढ़ मुस्लिम विद्यालय के कुलपति बने।
पांडुरंग जामन काणे (महाराष्ट्र)	1963	पांडुरंग जामन काणे एक महान भारतविद् और संस्कृत विद्वान थे। उन्हें 'धर्मशास्त्र का इतिहासः भारत में प्राचीन और मध्यकालीन धार्मिक और नामांकित कानून' जैसे कार्यों के लिए जाना जाता है।
लाल बहादुर शास्त्री (उत्तर प्रदेश) *	1966	लाल बहादुर शास्त्री भारत रत्न पुरस्कार के पहले मरणोपरांत प्राप्तकर्ता बने। वह भारत के दूसरे प्रधानमंत्री चुने गये। वह अपने नारे 'जय जवान जय किसान' के लिए देश में लोकप्रिय हैं।
इंदिरा गांधी (उत्तर प्रदेश)	1971	इंदिरा गांधी भारत रत्न पुरस्कार पाने वाली पहली महिला थी। वह 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान पीएम थीं। इस पुरस्कार को प्राप्त करने के समय वह भारत की पीएम थीं।
बीबी गिरी (ओडिशा)	1975	बीबी गिरी ने भारत के पहले कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया। वह भारत के चौथे राष्ट्रपति बने। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के लिए कई ट्रेड गुनियों का आयोजन किया।
के. कामराज (तमिलनाडु) *	1976	के. कामराज को भारतीय राजनीतिक इतिहास में किंग मेकर के रूप में पहचाना जाता था क्योंकि उन्होंने लाल बहादुर शास्त्री और इंदिरा गांधी को भारत का पीएम बनाने में बहुत योगदान दिया था।
मदर टेरेसा (पश्चिम बंगाल, उत्तरी मैसेडोनिया में जन्म)	1980	मदर टेरेसा भारत की पहली और एकमात्र प्राकृतिक नामांकित हैं जिन्हें भारत रत्न पुरस्कार मिला। वह कैथोलिक मिशनरीज़ ऑफ बैरिटी की संस्थापक थीं। वह अपने मानवीय कार्यों के लिए नोबेल पुरस्कार विजेता भी थीं।
विनोदा भावे (महाराष्ट्र) *	1983	विनोदा भावे गांधीवाद के महान अनुयायी थे। वह देश में भूतान अंशोत्तम के लिए जाने जाते हैं। उनके मानवीय कार्यों के लिए उन्हें रेमन मिस्सेसे पुरस्कार मिला।
ज्ञान अच्छुल गणपात्र ज्ञान (पाकिस्तान)	1987	ज्ञान अच्छुल गणपात्र ज्ञान भारत रत्न पुरस्कार पाने वाले पहले ऐर-नामांकित बने। उन्हें प्रॅटिवर गांधी के नाम से भी जाना जाता था। वह रेड शर्ट मूवमेंट (खुदाई खिदमतगार) के संस्थापक थे।
एमजी रामचन्द्रन (तमिलनाडु) *	1988	एमजी रामचन्द्रन पहले अभिनेता थे जो भारत रत्न पुरस्कार के प्राप्तकर्ता बने। वह पहले अभिनेता थे जो किसी राज्य के मुख्यमंत्री बने। वह अखिल भारतीय अंत्रा ब्रिंज़ मुनेत्र कड़गम के संस्थापक थे।



बीआर अंवेदकर (महाराष्ट्र)	1990	बीआर अंवेदकर को भारतीय संविधान के मुख्य पास्तुकार के रूप में मान्यता प्राप्त है। वह देश के पहले कानून मंची बने। उन्होंने हिंदू धर्म में जाति व्यवस्था की तीव्री आलोचना की।
बीआर अंवेदकर (दिल्ली अधिकारी)	1990	बीआर अंवेदकर को दिल्ली अधिकारी के मांची के रूप में पहचाना जाता है। वह भारत रत्न पुरस्कार पाने वाले दूसरे गैर-नागरिक बने। उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार भी मिला।
राजीव गांधी (उत्तर प्रदेश)	1991	राजीव गांधी भारत के छठे प्रधानमंची चुने गये। वह 1984 में 40 वार्षिकी की उम्र में भारत के सबसे युवा पीएम बने। प्रधानमंची के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान, 1985 में दल-बदल विरोधी कानून जैसे एतिहासिक कानून पारित किए गए।
बलभट्टाई पटेल (गुजरात)	1991	बलभट्टाई पटेल को भारत के लौह पुरुष के रूप में पहचाना जाता है। उन्होंने देश के पहले उपप्रधानमंची के रूप में कार्य किया। उन्होंने बारोड़ी सत्याग्रह, आधुनिक अधिकार भारतीय सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
मोरारजी देसाई (गुजरात)	1991	मोरारजी देसाई भारत के एकमात्र नागरिक हैं जिन्हें पाकिस्तान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान निशान-ए-पाकिस्तान से सम्मानित किया गया है। वह भारत के पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंची चुने गये। वह भारत के सबसे उम्हदराज प्रधानमंची थे।
अबुल कलाम आज़ाद (पंजाब बंगाल)	1992	अबुल कलाम आज़ाद भारत के पहले शिक्षा मंची थे। उन्हें मौलाना आज़ाद के नाम से जाना जाता है। 11 नवंबर को उनकी जयंती को देश में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाया जाता है।
जेआरडी टाटा (महाराष्ट्र)	1992	जेआरडी टाटा भारत के एक उत्कृष्ट और विमानन अग्रणी थे। उन्होंने एयर इंडिया नाम से देश की पहली एयरलाइन शुरू की। उन्होंने टेट इंस्टील्यूट ऑफ़ फैंडामेंटल रिसर्च, टीमीएस, टेट मोटर्स आदि कई संस्थानों की स्थापना की।
सन्यजीत रे (पंजाब बंगाल)	1992	भारतीय गिनेमा को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने का व्येद सन्यजीत रे को दिया जाता है। निर्वाचक के रूप में उनकी पहली फिल्म 1955 में पवर पंचाली थी। उन्होंने देश के सर्वोच्च गिनेमा पुरस्कार बादा साहूब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
गुलजारीलाल नंदा (पंजाब)	1997	गुलजारीलाल नंदा ने दो बार भारत के अंतरिम प्रधान मंची और दो बार तत्कालीन गोजना आयोग के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया। उन्होंने अमिकों के मुद्रों को राष्ट्रीय मंच पर उठाया।
अरुणा आसफ अली (पंजाब बंगाल)	1997	आज़ादी के बाद अरुणा आसफ अली दिल्ली की पहली मेयर बनी। वह 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय रूप से शामिल रही।



एपीजे अब्दुल कलाम (तमिलनाडु)	1997	एपीजे अब्दुल कलाम को भारत के मिसाइल मैन के रूप में पहचाना जाता है। उन्होंने प्रशेषण यान प्रौद्योगिकी, वैलिटिक मिसाइलों आदि के विकास में योगदान दिया। वह देश के 11वें राष्ट्रपति बने। उनके प्रमुख कार्यों में विस्स औफ फायर, इंग्राइटेड माईंहस, इंडिया 2020 आदि शामिल हैं।
एमएस सुब्रतमध्यी (तमिलनाडु)	1998	एमएस सुब्रतमध्यी कलार्टिक संगीत की शास्त्रीय गायिका थी। उन्हें मार्नों की रानी के रूप में पहचाना जाता है। वह भारत की पहली संगीतकार बनी जिन्हें उनके सार्वजनिक दान कार्यों के लिए रेमन मैन्सेस से सम्मानित किया गया।
चिदम्बरम सुब्रमण्यम (तमिलनाडु)	1998	चिदम्बरम सुब्रमण्यम को भारत में हृति क्रांति में उनके योगदान के लिए जाना जाता है। उन्होंने फिलीपीन्स के मरीला के अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान में योगदान दिया।
जय प्रकाश नारायण (विहार)	1999	जयप्रकाश नारायण को लोकनायक के रूप में पहचाना जाता है। उन्होंने कांग्रेस सरकार के चिलाक संपूर्ण क्रांति औरोलन/जेरी औरोलन चलाया।
अमर्त्य सेन (पश्चिम बंगाल)	1999	अमर्त्य सेन आर्थिक विज्ञान में नोबेल पुरस्कार विजेता है। उन्होंने कल्याणकारी अर्थशास्त्र, अर्थशास्त्र में सामाजिक न्याय, सामाजिक विकास मिलाएँ आदि में योगदान दिया।
गोपीनाथ ओरदोलोई (অসম)	1999	गोपीनाथ ओरदोलोई को असम के पहले मुख्यमंत्री के रूप में चुना गया था। असम के विकास के प्रति उनके समर्पण के लिए उन्हें असम में लोकप्रिय के रूप में पहचाना जाता है।
रविशंकर (उत्तर प्रदेश)	1999	रविशंकर को हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के विद्व के सर्वथेष्ठ प्रतिपादक के रूप में जाना जाता है। उन्हें ग्रीष्मी अवौई भी मिला।
लता मंगेशकर (महाराष्ट्र)	2001	लता मंगेशकर को भारत की स्वर कोकिला, मिलेनियम की आवाज और मेलोडी की रानी के रूप में पहचाना जाता है। उन्हें देश के सर्वोच्च सिनेमा पुरस्कार दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
विनिमलाह खान (उत्तर प्रदेश)	2001	विनिमलाह खान एक प्रगिद्ध शास्त्रीय शहनाई वादक है। उन्हें भारतीय संगीत में शहनाई वाद को उजागर करने का ऐय दिया जाता है। वह भारत रक्ष पुरस्कार पाने वाले तीसरे शास्त्रीय संगीतकार बने।
भीमसेन जोशी (कर्नाटक)	2009	भीमसेन जोशी हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के महान प्रतिपादक थे। वह मान्यता प्राप्त किराना घराने के शिष्य थे। वह अपनी छाती शैली की गायन शैली के लिए प्रसिद्ध थे।



एपीजे अब्दुल कलाम (तमिलनाडु)	1997	एपीजे अब्दुल कलाम को भारत के मिसाइल मैन के रूप में पहचाना जाता है। उन्होंने प्रशेषण यान प्रौद्योगिकी, वैलिटिक मिसाइलों आदि के विकास में योगदान दिया। वह देश के 11वें राष्ट्रपति बने। उनके प्रमुख कार्यों में विस्स औफ फायर, इंग्राइटेड माईंहस, इंडिया 2020 आदि शामिल हैं।
एमएस सुब्रतमध्यी (तमिलनाडु)	1998	एमएस सुब्रतमध्यी कलार्टिक संगीत की शास्त्रीय गायिका थी। उन्हें मार्नों की रानी के रूप में पहचाना जाता है। वह भारत की पहली संगीतकार बनी जिन्हें उनके सार्वजनिक दान कार्यों के लिए रेमन मैन्सेस से सम्मानित किया गया।
चिदम्बरम सुब्रमण्यम (तमिलनाडु)	1998	चिदम्बरम सुब्रमण्यम को भारत में हृति क्रांति में उनके योगदान के लिए जाना जाता है। उन्होंने फिलीपीन्स के मरीला के अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान में योगदान दिया।
जय प्रकाश नारायण (विहार)	1999	जयप्रकाश नारायण को लोकनायक के रूप में पहचाना जाता है। उन्होंने कांग्रेस सरकार के चिलाक संपूर्ण क्रांति औरोलन/जेरी औरोलन चलाया।
अमर्त्य सेन (पश्चिम बंगाल)	1999	अमर्त्य सेन आर्थिक विज्ञान में नोबेल पुरस्कार विजेता है। उन्होंने कल्याणकारी अर्थशास्त्र, अर्थशास्त्र में सामाजिक न्याय, सामाजिक विकास मिलाएँ आदि में योगदान दिया।
गोपीनाथ ओरदोलोई (অসম)	1999	गोपीनाथ ओरदोलोई को असम के पहले मुख्यमंत्री के रूप में चुना गया था। असम के विकास के प्रति उनके समर्पण के लिए उन्हें असम में लोकप्रिय के रूप में पहचाना जाता है।
रविशंकर (उत्तर प्रदेश)	1999	रविशंकर को हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के विद्व के सर्वथेष्ठ प्रतिपादक के रूप में जाना जाता है। उन्हें ग्रीष्मी अवौई भी मिला।
लता मंगेशकर (महाराष्ट्र)	2001	लता मंगेशकर को भारत की स्वर कोकिला, मिलेनियम की आवाज और मेलोडी की रानी के रूप में पहचाना जाता है। उन्हें देश के सर्वोच्च सिनेमा पुरस्कार दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
विनिमलाह खान (उत्तर प्रदेश)	2001	विनिमलाह खान एक प्रगिद्ध शास्त्रीय शहनाई वादक है। उन्हें भारतीय संगीत में शहनाई वाद को उजागर करने का ऐय दिया जाता है। वह भारत रक्ष पुरस्कार पाने वाले तीसरे शास्त्रीय संगीतकार बने।
भीमसेन जोशी (कर्नाटक)	2009	भीमसेन जोशी हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के महान प्रतिपादक थे। वह मान्यता प्राप्त किराना घराने के शिष्य थे। वह अपनी छाती शैली की गायन शैली के लिए प्रसिद्ध थे।



सीएनआर राव (कर्नाटक)	2014	सीएनआर राव एक प्रख्यात रसायनज्ञ हैं जिन्होंने ठोस-अवस्था और संरचनात्मक रसायन विज्ञान में बहुत योगदान दिया। उन्हें मार्लो मेडल, हयूजेस मेडल, रॉयल मेडल, इंडिया साइंस अवार्ड आदि जैसे कई पुरस्कार मिले।
सचिन तेंदुलकर (महाराष्ट्र)	2014	क्रिकेट इतिहास में सचिन तेंदुलकर को मास्टर ब्लास्टर के रूप में पहचाना जाता है। उन्होंने 16 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में डेव्यू किया था। वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों के सभी प्रारूपों में 30,000 से अधिक रन बनाने वाले एकमात्र बल्लेबाज हैं।
मदन मोहन मालवीय (उत्तर प्रदेश)	2015	मदन मोहन मालवीय बनारस हिंदू विश्वविद्यालय और अखिल भारतीय हिंदू महासभा के संस्थापक थे। उन्हें महामना के रूप में पहचाना जाता है।
अटल बिहारी वाजपेयी (मध्य प्रदेश)	2015	अटल बिहारी वाजपेयी तीन बार भारत के प्रधानमंत्री चुने गये। उन्हें 1994 में सर्वोच्च सांसद पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। वह एक महान कवि भी थे।
प्रणब मुखर्जी (पश्चिम बंगाल)	2019	प्रणब मुखर्जी भारत के 13वें राष्ट्रपति और लोकसभा के 14वें और 15वें नेता चुने गये। 2020 में उनकी मृत्यु COVID-19 के कारण हो गई।
नानाजी देशमुख (महाराष्ट्र)	2019	नानाजी देशमुख का वास्तविक नाम चंडिकादास अमृतराव देशमुख था। उन्होंने शिक्षा, ग्रामीण आत्मनिर्भरता और स्वास्थ्य में योगदान दिया। उन्होंने भारतीय जनसंघ के नेता के रूप में कार्य किया।
भूपेन हजारिका (অসম)	2019	भूपेन हजारिका को सुधाकंठ (अमृत-कण्ठ) के रूप में पहचाना जाता है। वह एक प्रख्यात फ़िल्म निर्माता, कवि, गीतकार, पार्श्व गायक और संगीतकार थे।
कर्पूरी ठाकुर (बिहार) (मरणोपरांत)	2024	भारत के स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षक, राजनीतिज्ञ थे। 1970 और 1977 में दो बार बिहार के मुख्यमंत्री की कुर्सी भी संभाली, एक बार डिल्ली CM रहे। वे बिहार के पहले गैर कांग्रेसी मुख्यमंत्री थे। 1967 में कर्पूरी ठाकुर ने डिल्ली CM बनने पर बिहार में अंग्रेजी की अनिवार्यता को खत्म कर दिया था।



RESULT MPPSC 2019

**पदपाद
बटफाट**

DEPUTY COLLECTOR
Rank 1
Priya Pathak

DEPUTY COLLECTOR
Shivangi Baghel

DEPUTY COLLECTOR
Pooja Soni

Rank **2**
Deputy Collector

Rank **3**
Deputy Collector

DEPUTY COLLECTOR



Saurabh Mishra



Saloni Agrawal



Reetika Patidar



Ashutosh Thakur



Simmi Yadav



Sumesh Dwivedi



Vikas Kewar



Neveen Singh Thakur



Purva Mandloi



Manjusha Khatri

DSP



Laike Bakogi



Shiva Pathak



Shaista Hashmi



Masum Pote



Ashutosh Tyagi



Amit Bhandiya



Ekya Jhamiya

200+ SELECTIONS

MPPSC (Pre + Mains)

1 Year Offline New Batch

Starting from 15th January.

Enroll Now - 9425068121, 9893929541

MPPSC Pre & Mains

Online Classes & Test Series

Join करने के लिए डाउनलोड करें

हमारी एज्लीकेशन,

या कॉल करें - 9111010991, 6262988888

